पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित 16.12.2023 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9810117464 पर Paytm कर दें। – अनिल आर्य

वर्ष-40 अंक-14 पौष-2080 दयानन्दाब्द 200 16 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2023 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.12.2023, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

आर्य समाज हापुड़ का 133वाँ वार्षिकोत्सव सम्पन्न

संस्कारित युवा पीढ़ी राष्ट्र का आधार –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

बच्चों को संपत्ति के साथ संस्कार देने से आपका और समाज का कल्याण संभव –आचार्य योगेश वैदिक

रविवार 3, दिसंबर 2023, आर्य समाज हापुड़ का 133वाँ वार्षिकोत्सव चतुर्वेद शतकम यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ सोल्लास संपन्न हुआ। युवा जागृति सम्मेलन में संबोधित करते हुए केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि संस्कारित युवा पीढ़ी राष्ट्र का आधार है उन्हें सुसंस्कारित करना आर्य समाज का दायित्व है। उन्होंने कहा कि आर्य समाज एक क्रांतिकारी आंदोलन है जो हर राष्ट्रीय मुद्दे पर अग्रणी भूमिका निभाता है।देश की आजादी की लड़ाई में आर्य समाज ने अनेकों क्रांतिकारी दिए और जेलो को भरा तब जाकर देश आजाद हुआ। महर्षि दयानन्द जी केवल धार्मिक समाज सुधारक ही नहीं थे अपितु उनका चिंतन सर्वागीण था।जहां उन्होंने पाखंड अन्धविश्वास कुरीतियों पर प्रहार किया साथ ही राष्ट्रीय विचार भी दिए उनका मानना था कि कोई कितना ही करे पर स्वदेशी राज्य सर्वोत्तम होता है। आज पूरा विश्व महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200 वीं जयंती मना रहा हैं इस अवसर पर सबको घर गली कूचे तक उनका संदेश पहुंचाने का संकल्प लेना है।कार्यक्रम का कुशल संचालन अनुपम आर्य ने किया। आचार्य योगेश जी वैदिक ने अपने उद्बोधन में कहा कि अपने बच्चों को संपत्ति के साथ संस्कार भी दीजिए जिससे आपका और समाज का कल्याण संभव है। राष्ट्र जागृति सम्मेलन में सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश ने अपने विचार रखे। पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉक्टर सत्यपाल सिंह सांसद बागपत ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा की राष्ट्र जागृति का कार्य सर्व प्रथम महृषि दयानंद सरस्वती ने किया था। उनके द्वारा स्थापित आर्य समाज अपने स्थापना काल से अब तक राष्ट्र का सजग प्रहरी बन कर इस और निरंतर कार्य कर रहा है।वर्तमान में अनेकों समस्याएं है। हमे वेदों के मार्ग पर चलते हुए भारत को उन्नति के शिखर पर ले जाना है। राष्ट्रवादी संघटनों को अपने साथ मिलाकर कार्य करना चाहिए। अध्यक्षता नरेंद्र आर्य ने की।मंच का संचालन आनंद प्रकाश आर्य ने करते हुए उत्सव के समापन पर सभी विद्वानों,आर्य समाज के सक्रिय सदस्यों तथा नगर एवम विभिन्न आर्य समाज से पधारे व्यक्तियों का धन्यवाद दिया।सहसंयोजक मदन लाल गोयल रहे। सुप्रसिद्ध गायक कंचन कुमार और प्रवीण आर्य ने मधुर भजन प्रस्तुत किए।आर्य समाज के प्रधान पवन आर्य, मंत्री संदीप आर्य,अमित शर्मा, महिला प्रधान वीना आर्य, माया आर्या आदि ने योगदान दिया तथा यज्ञवीर चौहान,त्रिलोक शास्त्री उपस्थित रहे।

प्रख्यात शिक्षाविद् डा. राम प्रकाश जी का निधन

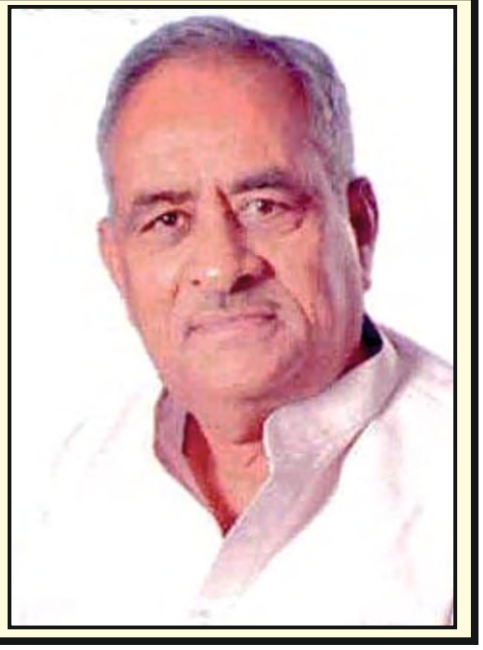

हरियाणा की रत्नप्रसूता धरा पर जन्म लेकर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक महर्षि दयानन्द, आर्य समाज एवं भारतीय ज्ञान परम्परा की पुण्य सलिला सरिता को प्रवाहित करने वाले **श्रद्धेय प्रोफेसर रामप्रकाश जी** ने आज मार्गशीर्ष शु.१, २०८० बुधवार तदनुसार १३ दिसम्बर, २०२३ को सुबह ४.१५ बजे चिर विदाई ले ली है। शैक्षणिक, सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र के विविध प्रकल्पों में कार्य करने के बाद भी स्वयं के जीवन को एकात्मता से जिस मिशन के लिए आपने समर्पित किया था वह था – महर्षि दयानन्द द्वारा प्रशस्त वैदिक ज्ञान मनीषा का वैश्विक विस्तार...अपनी ऊर्जावान् लेखनी एवं अपूर्व वाक् शक्ति से इस उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए आपने स्वयं को सर्वात्मना समर्पित कर दिया। जीवन के अन्तिम क्षण तक (८४ वर्ष) साधना के लिए समर्पित ऐसा उदाहरण अन्यत्र दुर्लभ है। उनका व्यक्तित्व ईश्वर भक्ति, उत्साह एवं आशा से परिपूर्ण था। वे भावी भारत की युवा पीढ़ी को अनुशासित, ईश्वरीय बोध से अनुप्राणित एवं महर्षि दयानन्द तथा वैदिक शिक्षा से दीक्षित देखना चाहते थे। आपकी यह अन्तर्दृष्टि हम सबकी प्रेरिका बने, यही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल से 594वां वेबिनार सम्पन्न

'राष्ट्र वंदना' पर गोष्ठी सम्पन्न

राष्ट्र हित सर्वोपरि होना चाहिए –प्रो. नरेंद्र आहूजा विवेक

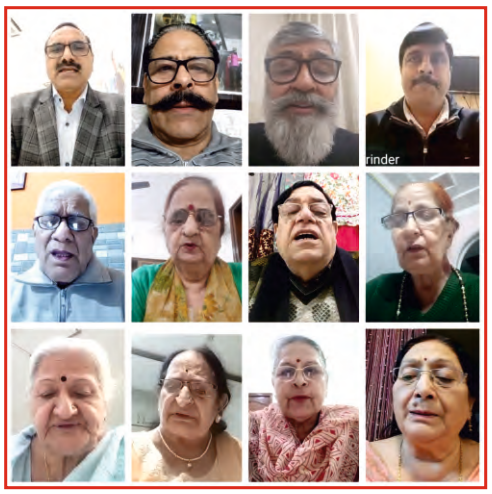

बुधवार 13 दिसंबर 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'राष्ट्र वंदना' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल से 594 वाँ वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता प्रो. नरेंद्र आहूजा विवेक (पूर्व राज्य ओषधि नियंत्रक हरियाणा सरकार) ने कहा की राष्ट्र की उत्पत्ति हमारे महान ऋषियों के तप और दीक्षा से हुई हैं। हम जितना कृणवंतो विश्वम आर्यम का उद्घोष लगा कर पूरे विश्व को आर्य अर्थात श्रेष्ठ बनाने का कार्य करेंगे उतना ही हम अपने राष्ट्र का विस्तार करते हैं। हमारे प्रधान मंत्री मोदी विदेशों में जाकर विदेशों में रह रहे भारतीयों को सम्बोधित करते हुए पुरातन सनातन वैदिक संस्कृति का प्रचार करते हुए भारत वर्ष का विस्तार करते हैं। आज हमें अपनी वाणी से नहीं अपितु कर्म से राष्ट्र का वन्दन करना है युवाओ में शिक्षा के माध्यम से देश भक्ति की भावना का संचार करना होगा। मुख्य अतिथि आर्य नेता डॉ. गजराज सिंह आर्य व हरेन्द्र चौधरी ने भी राष्ट्र हित सर्वोपरि बताते हुए समर्पण की भावना का संदेश दिया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन करते हुए कहा कि राष्ट्र भवनों जंगल का नाम नहीं है अपितु राष्ट्र के प्रति समर्पण शक्ति व विचार का नाम है जिसके कारण सैनिक सीमा पर प्राण न्यौछावर कर देते हैं। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि आर्य समाज राष्ट्रवाद का प्रबल समर्थक हैं। गायिका प्रवीना ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता,जनक अरोड़ा, कमला हंस,विजय खुल्लर, कौशल्या अरोड़ा, उषा सूद आदि के मधुर भजन हुए।

'नारी समाज का आधार' पर गोष्ठी सम्पन्न

नारी सम्मान से ही समाज व राष्ट्र की उन्नति सम्भव–आचार्या श्रुति सेतिया

सोमवार 4 दिसंबर 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में ''नारी समाज का आधार'' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 592 वाँ वेबिनार था। आचार्या श्रुति सेतिया ने कहा कि जिस समाज में नारियों का सम्मान होता है वहीं सुख शांति का वास होता है और जहां नारी का अपमान होता है वह समाज अथवा राष्ट्र नष्ट भ्रष्ट होकर गर्त में जा गिरता है।अतः हमें उचित है की समग्र महिलाओं का यथायोग्य सम्मान करें और उनको उनका अधिकार भी दे,तभी समाज व राष्ट्र उन्नति प्रगति कर सकता है। वेदों में नारी के कर्तव्य को बताया गया है।घर को संभालना,सबकी सेवा करना,छोटो की उन्नति पर पूरा प्रयत्न करना,अतिथियों की सेवा करना स्त्री का धर्म व कर्तव्य है।नारी को प्रतिदिन यज्ञ करना चाहिए।इसके साथ साथ स्त्री को कर्मठ भी होना चाहिए।स्त्री को सैन्य शिक्षा भी ग्रहण करनी चाहिए जिससे वह वर्तमान की परिस्थिति में आत्मरक्षा के लिए दूसरे के ऊपर निर्भर ना हो।हम सबको वेदों का अच्छी प्रकार स्वाध्याय करके नारी शक्ति को संगठित करके सशक्त बनाना चाहिए जिससे कभी कोई उपद्रवी,अन्याई,अत्याचारी, बलात्कारी व्यक्ति नारियों के ऊपर अपना अधिकार जमा ना सके। इस विषय में स्वयं महिलाओं को जागरूक रहकर विशेष ध्यान रखना चाहिए और वेदानुसार इन गुणों को अपने आचरण में लाकर एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहिए।नारी में नर की अपेक्षा दयालुता,उदारता,सेवा, परमार्थ एवम् पवित्रता की भावना अधिक होती है।उसका कार्यक्षेत्र संकुचित करके घर तक ही सीमाबध कर देने के कारण ही संसार में स्वार्थपरता,हिंसा, निष्ठुरता,अनीति एवम् विलासिता की बाढ़ आई हुई है।यदि राष्ट्र का सामाजिक और राजनैतिक नेतृत्व नारी के हाथ में हो तो उसका मातृ हृदय अपने सौंदर्य के कारण सर्वत्र सुख शांति की स्थापना कर दे।यदि इस और से आंखे बंद कर ली गई और भारतीय नारी को जिस प्रकार अविध्या और अनुभवहीन की स्तिथि में रहने को विवश किया गया है तो आगामी पीढ़ियां और भी अधिक मूर्खता उदंडता लिए युग आवेगी और हमारे घरों की परिपाटी को नर्क बना देगी।वास्तव में जब तक लोगों की मानसिकता नहीं बदलेगी,दृष्टिकोण नहीं बदलेगा तब तक महिलाओं की स्तिथि नही सुधरेगी।पुरुषत्व की सार्थकता महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान देने में है,उनका शोषण करना कायरता है।नारी का सम्मान जहां है,संस्कृति का उत्थान वहा है।अभी और चिंतन की आवश्यकता है,नारी ही शक्ति है,उसे नुकसान पहुंचे तो समाज शक्तिहीन हो जायेगाअतः पुरुषों को अधिक संवेदनशील होना पड़ेगा तभी महिलाओं का उत्थान संभव है। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री राजश्री यादव व अध्यक्ष कृष्णा पाहवा ने भी नारी कर्त्तव्य व अधिकार पर प्रकाश डाला। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

गुरुकुल गौतमनगर में आर्य सम्मेलन सम्पन्न

शनिवार 9 दिसंबर 2023, दक्षिण दिल्ली वेद प्रचार मंडल के तत्वावधान में गुरुकुल गौतम नगर दिल्ली में आर्य सम्मेलन संपन्न हुआ। हरिद्वार से आचार्य दिनेश चन्द्र शर्मा, अनिल आर्य ने अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्षता आर्य रवि देव गुप्ता ने की व संचालन रवीन्द्र आर्य ने किया। स्वामी प्रणवानन्द जी ने आशीर्वाद प्रदान किया। आर्य नेता राजेश मेहदीरता, चतर सिंह नागर, प्रकाश वीर शास्त्री, सत्य पाल सैनी, अर्चना पुष्करना, हरिचन्द आर्य, महावीर सिंह आर्य, सुरेन्द्र गुप्ता,विजय मलिक आदि उपस्थित थे।

सार्वदेशिक आर्य पुरोहित सभा का गठन

सोमवार 11 दिसंबर 2023, विश्व के धर्माचार्य व पुरोहितों को संगठित करने के लिए नई दिल्ली के गुरुकुल गौतम नगर में स्वामी प्रणवानंद जी की अध्यक्षता में विशाल बैठक का आयोजन किया गया जिसमें आर्य नेता ठाकुर विक्रम सिंह जी ने भी अपना आशीर्वाद प्रदान किया। आचार्य प्रेमपाल शास्त्री को अध्यक्ष, नरेंद्र शास्त्री मुंबई को महामंत्री व आचार्य अभय देव शास्त्री को कोषाध्यक्ष चुना गया। **युवा उद्घोष की और से हार्दिक बधाई।**

जींद में समाज सेवियो का अभिनंदन

मंगलवार 5 दिसंबर 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद जिला जींद (हरियाणा) के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय समाज सेवी दिवस पर 41 व्यक्तियों का अभिनंदन किया। जिला अध्यक्ष श्री श्रीकृष्ण दहिया ने कुशल संचालन किया। प्रमुख रूप से दिल्ली से राष्ट्रीय महासचिव महेन्द्र भाई, संजीव आर्य, राजीव जैन सोनीपत, सूर्यदेव आर्य,प्रांतीय अध्यक्ष स्वतंत्र कुकरेजा, अजय आर्य करनाल, विद्या सागर शास्त्री, योगेन्द्र शास्त्री, वीरेन्द्र आर्य आदि उपस्थित थे।

माता सुशीला हरिदेव आर्य पुण्य स्मृति में

भव्य संगीत संध्या

गायक कलाकार

सरदार सुरेन्द्रसिंह गुलशन जी (जालंधर)

रविवार 24 दिसंबर 2023,

शाम 3.30 से 6.30 बजे तक

स्थान आर्य समाज सूर्य निकेतन पूर्वी दिल्ली

ऋषि लंगर 6.30 बजे

आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं –

यशोवीर आर्य, प्रधान, मो. 9312223472

ओ३म्

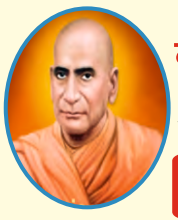

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्

के तत्वावधान में

गुरूकुल कांगड़ी के संस्थापक, स्वतन्त्रता सेनानी, समाज सुधारक

91 वां स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस

शनिवार, 23 दिसम्बर 2023, प्रातः 10:00 से 12:00 बजे तक

स्थान: 14, महादेव रोड, नई दिल्ली-110001

(निकट मैट्रो स्टेशन पटेल चौक)

मुख्य अतिथि:

श्रीमती मीनाक्षी लेखी जी

(केन्द्रीय विदेश राज्य मंत्री, भारत सरकार)

अध्यक्षता – श्रीमती अंजु मेहरोत्रा

(प्रधानाचार्य, कालका पब्लिक स्कूल अलखनंदा)

यज्ञ ब्रह्मा – आचार्या श्रुति सेतिया जी

मुख्य वक्ता – आचार्य गवेन्द्र शास्त्री , डॉ. सुषमा आर्या आयुर्वेदाचार्य

गरिमामयी उपस्थिति

श्री आनन्द चौहान
श्रीमती मृदुला चौहान
श्रीमती ममता शर्मा
श्रीमती गायत्री मीना
श्री राजेश मेहन्दीरत्ता
श्री आर.पी. सूरी
श्री प्रेमकुमार सचदेवा
श्री जितेन्द्र डावर
श्री डालेश त्यागी
श्रीमती अनीता कुमार
श्रीमती राधा भारद्वाज
श्री नेत्रपाल आर्य
श्री यशोवीर आर्य
श्री वेद खट्टर
श्री सहदेव नांगिया
श्रीमती अर्चना पुष्करना
श्री सत्यानंद आर्य

ठाकुर विक्रम सिंह
श्री यशपाल आर्य
कै. अशोक गुलाटी
श्री रवि चड्डा
श्री रमेश गाडी
श्री आदर्श आहूजा
श्री अमरसिंह सहरावत
श्री ज्योति ओबराय
श्रीमती सुषमा पाहुजा
श्री अमरनाथ बत्रा
श्री धर्मपाल परमार
श्री वेद प्रकाश आर्य
श्रीमती विद्योत्तमा झा
श्री एच.एन. मिथरानी
श्री सोहनलाल आर्य
श्री महावीर सिंह आर्य
डॉ. कर्नल विपिन खेड़ा

श्री सुभाष आर्य, पूर्व महापौर
श्री सुशील सलवान
श्री रविदेव गुप्ता
श्री ओम सपरा
श्री चत्तर सिंह नागर
श्री नरेन्द्र आर्य सुमन
श्री सुशील बाली
श्री रविन्द्र आर्य
श्री जितेन्द्र खरबंदा
श्रीमती सोनिया संजू
श्री सुरेश आर्य
श्री महेन्द्र जेतली
श्री मनोज मान
श्री गजेन्द्र चौहान
श्री राजेन्द्र वर्मा
श्री भारतभूषण धूपड़
श्री राजेन्द्र शर्मा

आप सादर आमंत्रित हैं

निवेदक

अनिल आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष, 9810117464

भारत भूषण मदान, स्वागताध्यक्ष

महेन्द्र भाई, राष्ट्रीय महामंत्री, 9013137070

स्वागत समिति: देवेन्द्र भगत, प्रवीन आर्य, अरूण आर्य, सौरभ गुप्ता, प्रकाशवीर शास्त्री

जहां होता है भरपूर काम और प्रभु का गुणगान

आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

'नास्तिकतावाद' पर गोष्ठी सम्पन्न

नास्तिकतावाद सत्य और यथार्थ से परे हैं –आचार्य अतुल सहगल

शुक्रवार 8 दिसंबर 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'नास्तिकतावाद' पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 593 वाँ वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता आचार्य अतुल सहगल ने कहा कि नास्तिकतावाद सत्य,ज्ञान और यथार्थ से परे हैं।उन्होंने कहा कि जब ईश्वर परम सत्य है तो नास्तिकतावाद मिथ्या धारणा के अतिरिक्त और क्या हो सकता है? वेद सब सत्य विद्याओं का पुस्तक है और वेद के अधिकांश मन्त्र ईश्वर की बात ही करते हैं और उसे ब्रह्माण्ड का कर्त्ता,धर्ता और नियंता बताते हैं।अनेक मन्त्र ईश्वर को परम सत्ता मानते हुए उसका ही गुणगान करते हैं तो फिर नास्तिकतावाद वेद विरुद्ध अवधारणा के अतिरिक्त और क्या है?साथ ही नास्तिकतावाद के प्रारम्भ की चर्चा करते हुए कहा कि इसका उदगम चार्वाक दर्शन से हुआ जिसका प्रवर्तक प्राचीन काल में बृहस्पति नामक एक व्यक्ति था।यह दर्शन भौतिकवादी है और ईश्वर का खंडन करता है। यह लोकमय दर्शन कहलाता है क्योंकि यह जड़वादी है।वर्त्तमान समय के नास्तिकवादी लोग इसी दर्शन को पकड़े हुए हैं।आज विश्व में लगभग 15 प्रतिशत लोग नास्तिकवादी हैं जिसमें से सौ करोड़ लोग केवल चीन में रहते हैं। बड़े दुर्भाग्य की बात तो यह है कि नास्तिकतावाद का कीड़ा आज के युवा वर्ग को अधिक ग्रसित किये हुए है।इसके कारण युवा वर्ग भटक सा रहा है।जीवन में भौतिक सुखों को भोगना ही नास्तिकवादियों के लिए मुख्य और महत्वपूर्ण विषय है अन्य विषय गौण बन जाते हैं।इन सब बातों को सामयिक परिपेक्ष्य में वक्ता ने कहा कि नास्तिकतावाद मनुष्य को भौतिकता में जकड़ लेता है।इसका परिणाम प्रारंभिक और मध्यकाल में सुख हो सकते हैं पर अंततः दुख ही होते हैं। आज नास्तिकतावाद से उत्पत्र कई विचारधारायें और संस्थाएं भी निर्मित हो चुकी हैं जो मानव के लिए अहितकर और अकल्याणकारी हैं।वामपंथ बढ़ोत्तरी पर है।वक्ता ने तत्पश्चात नास्तिकतावाद का प्रतिकार करने पर ज़ोर दिया।यह कहा कि व्यापक और विस्तृत वेद प्रचार की और मौलिक मानवतावादी एवं ईश्वरवादी धारणाओं को प्रबल करने की आवश्यकता है स वर्तमान समाज के कई उदाहरण देते हुए अपनी बातों की पुष्टि की। वेद प्रचार ही उन सब रोगों की औषधि है जो नास्तिक और अनीश्वरवादी विचारों से उत्पन्न हुए हैं।हमें ऋषि दयानन्द के बताये हुए मार्ग पर चलना है और उस मार्ग से भटके हुए जनों को उस मार्ग पर लाना है। मुख्य अतिथि आर्य नेता ओम सपड़ा व अध्यक्ष मूल शंकर सिक्का ने ईश्वर के सही स्वरूप की व्याख्या करते हुए युवा पीढ़ी को वेदों की और लौटने का आह्वान किया।केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया और राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका प्रवीना ठक्कर, कमला हंस, कौशल्या अरोड़ा, उषा सूद, पिंकी आर्या, रविन्द्र गुप्ता, जनक अरोड़ा आदि के मधुर भजन हुए।

आर्य समाज रानीबाग व पीतमपुरा का उत्सव सम्पन्न

रविवार 10 दिसंबर 2023, आर्य समाज रेलवे रोड रानी बाग दिल्ली का वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ चित्र मे प्रधान सोमनाथ पुरी का अभिनंदन करते अनिल आर्य, ओम सपरा, रेखा शर्मा, श्याम पाल, अवधेश कुमार, मदन अरोड़ा, स्वर्णा सेतिया। कुशल संचालन मैथिली शर्मा ने किया। द्वितीय चित्र– आर्य समाज सी पी ब्लॉक पीतमपुरा दिल्ली के तत्वावधान में 11 कुंडली यज्ञ आचार्य विमलेश बंसल ने संपन्न करवाया। प. दिनेश पथिक के मधुर भजन हुए। चित्र मे मंत्री सोहन लाल आर्य व आदर्श आर्य का अभिनंदन करते अनिल आर्य, साथ में प्रधान व्रत पाल भगत, ओम सपरा, अनिल आर्य मोती नगर, ओम प्रकाश नागिया, सोहन लाल मुखी, नरेश खन्ना आदि उपस्थित थे।

वेद स्वाध्यायः– सामवेद मंत्र १३१६ के द्वितीय अर्थ में जीवात्मा का विषय वर्णित किया जा रहा है। मंत्र निम्न है।

असावि सोमो अरुषो वृषा हरी राजेव दस्मो अभि गा अचिक्रदत्। पुनानो वारमत्येष्यव्ययं श्येनो न योनिं घृतवन्तमासदत्।।

मंत्र का पदार्थ (शब्दार्थ) सामवेद भाष्यकार वेदमूर्ति आचार्य (डॉ०) रामनाथ वेदालंकार जी रचितरू– प्रेरक जीवात्मा ऐश्वर्यवान् किया गया है। ज्ञान के प्रकाश से प्रकाशमान, ज्ञानवर्षक, देहरूप रथ को चलाने वाला, शत्रुओं का विनाशक यह आत्मा इंद्रियों को लक्ष्य करके कर्तव्य–अकर्तव्य का उपदेश करे, जैसे कोई राजा प्रजाओं को लक्ष्य करके राजनियमों की घोषणा करता है। हे जीवात्मन्! तू स्वयं को पवित्र करता हुआ रुकावट डालने वाले विघ्नों को पार करके अविनश्वर परमात्मा को प्राप्त कर। बाज पक्षी जैसे उड़ान भरने के लिए अंतरिक्ष को प्राप्त करता है, वैसे ही यह आत्मा तेजस्वी जगत् के कारण परमात्मा को प्राप्त करे।

भावार्थः– जैसे पक्षी उड़कर एक स्थान से दूसरे स्थान को पहुंच जाते हैं वैसे ही मनुष्य उन्नति करके परमात्मा को प्राप्त करें।

–प्रस्तुतकर्ता मनमोहन आर्य

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.:** 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक :** दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970